समय : २½ घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. निम्नलिखित में से किन्ही दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | **(३०)**

(क) "अम्माजी इस बिन मुँह के आदमी के कान मत तानो | कोई फायदा नहीं | दूध सूखे बैरियों की भैसों का | हमारी तो पूरा चार सेर देती है | यह कहो कि बिलौती नहीं दूध-दही का खर्चा..... घी बेचकर क्या मिलेगा ? पइसा नहीं कमाना हमें | अपने आदमी की देह बनानी है|"

(ख) "खेत - खलिहानों
कल - कारखानों
गाँव - शहरों में बहता लहू
नहीं बन सका अभी तक
ऐसी कविता
जो बता सके अभी तक
ऐसी कविता
जो बता सके सही - सही
स्याह दिनों का रंग
सुना सके
आग में झुलसती बस्तियों की दर्दनाक चीखें |"

(ग) "कर्नल शावर्स की पुस्तक के अंतिम कवर पेज पर उसकी रेखा चित्रित आकृति थी | उसके नीचे स्वयं की हस्तलिपि में विशेष टिप्पणी के साथ अंकित था - 'दिस स्टोरी आफ सेपाय म्युटिनी इन इंडिया इज बेसड ऑन माय ओन एक्सपीरियेंस एण्ड लेटर ऑन डिस्कसन्स विद ब्रिटिश आफिसर्स हू कंट्रोल्ड दा म्युटिनी इन देट एरिया व्हेयर आई वाज |"

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किन्ही दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(३०)**

(च) 'झूला नट' उपन्यास में विभिन्न वैचारिक द्वंद्व और संघर्षों को विश्लेषित कीजिए |

(छ) 'विस्फोट' कविता में व्यक्त दलितों के आक्रोश को स्पष्ट कीजिए |

(ज) 'धूणी तपे तीर' उपन्यास में चित्रित सामाजिक जीवन को विस्तार से समझाइए |

X279Y3879C3X279Y3879C3X279Y3879C3X279Y3879C3

प्रश्न ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए | **(१५)**

(त) ‘झूलानट’ उपन्यास में ग्रामीण स्त्री वर्ग की नव्य चेतना |

अथवा

‘झूलानट’ उपन्यास में सरसुती का मानसिक संघर्ष |

(थ) ‘जाति’ कविता का भावार्थ |

अथवा

‘शब्द चुप नहीं है’ शीर्षक की सार्थकता |

(द) ‘धूणी तपे तीर’ उपन्यास की भाषा शैली |

अथवा

‘धूणी तपे तीर’ उपन्यास में भील और मीणा की आर्थिक स्थिति |

X279Y3879C3X279Y3879C3X279Y3879C3X279Y3879C3